>

Ttiel :Need to construct dam on Barnal river in Jamui, Bihar.

श्री भूदेव चौधरी (जमुई): महोदय, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे महत्वपूर्ण बिंदु पर बोलने का मौका दिया। जमुई लोकसभा क्षेत्र बहुत पिछड़ा और सूखाग्रस्त क्षेत्र है। यह माओवाद और नक्सलवाद का केंद्र बिंदु भी है। आज से 35 साल पहले बरनाल नदी पर डैम बनाने की प्रक्रिया शुरु हुई, कार्य भी शुरु हुआ और 10 से 15 करोड़ रुपए का व्यय भी हुआ। केनाल भी जगह-जगह बनी हुई है, कहीं बैराज भी बना हुआ है। यहां 15,000 एकड़ जमीन को सिंचित होना था। इस कारण किसानों के मन में बड़ी खुशी थी लेकिन दो वर्ष बाद यानी 1978 में शुरु हुआ और वर्ष 1980 में बंद हो गया। तकनीकों कारणों का उल्लेख किया गया।

मैं सरकार से मांग करता हूं कि जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारियों की एक सर्वे टीम बनाएं और इसका सर्वे कराएं। मात्र 700 मीटर बांध बनना है जिससे 15,000 एकड़ जमीन में सिंचाई हो सकेगी। यहां किसान आंदोलनरत हैं। यहां हाल ही में आदरणीय मंत्री श्री जयराम रमेश गए थे। उनके सामने भी यह मांग रखी गई है। यहां किसान आंदोलन करने के लिए तैयार हैं। बांध के बन जाने से बिजली का निर्माण होगा। हम आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहते हैं कि संसद में किसानों की चर्चा हो रही है इसलिए निश्चित तौर पर इसका सर्वे कराकर बरनाल नदी पर बांध बनाने की प्रक्रिया शुरु की जाए।